

lish his claim by e. : उक्तं प्रमाणेन न प्रतिपादयति, K.b. ; document (=written) possession (=real) and witnesses (=oral) are e. : प्रमाणं लिखितं भुक्तिः साक्षिणश्च, Y.

EVIDENCE (v.) : प्रमाणयति (nomi.) : v. To evince, prove.

EVIDENT : (1) स्पष्टः (दृष्ट, दृष्टं), वि-, although e. the lustre of his body was not e. : स्पष्टोऽप्यविस्पष्टवपुः-प्रकाशः, Ki. ; (2) व्यक्तः (क्त, क्तं), भमि-, very e. from the long wet footsteps : सुव्यक्तमार्द्रपदपङ्क्तिमिरा-यतामिः, R. ; (3) स्फुटः (टा, टं), परि-, to become e. स्फुटीभवति, Si.

EVIDENT, TO BE : (1) प्रकाशते (काश, c. 1.), M.n. ; (2) विकश(स)ति (कश् or कस्, c. 1.), your untruthfulness is e. from your act : तव कर्मणैव विकशत्यसत्यता, Si. xv. 16.

EVIDENT, TO MAKE : (1) प्रकाशयति (c. of काश्), who have made your intellect and character e. : प्रकाशितत्वन्मतिशीलसाराः, Ki. ; (2) विकश(स)यति (c. of कश् or कस्).

EVIDENTLY : (1) व्यक्तम्, e. I have been deceived : व्यक्तमस्मि विप्रलब्धा, D. ; (2) स्पष्टम्, वि-, ; (3) (3) स्फुटम्, परि-.

EVIL (adj.) : I. Having bad qualities : (1) दुष्टः (दृष्ट, दृष्टं), quieting the e. ones : दुष्टप्रशान्तिः, Vi. ; e. sleep : दुष्टनिद्रा, K. (2) by दुर् prefixed, e. doings : दुष्कर्माणि (n. pl.) ; e. speaking : दुर्वक्तव्यम्. II. Not good : by कु- pref, at an e. moment : कुक्षणे ; e. course : कुमार्गः ; e. eye : कुदृष्टिः.

EVIL (subs.) : I. Mischief, calamity : q.v. : अनिष्टम्. II. Wickedness : q.v. : दुष्टता.

EVIL (adv.) : v. Badly.

EVIL-MINDED : (1) कुमति (mf. n.) ; (2) दुराचारः (रा, रं) ; (3) दुष्प्रकृति (mf. n.) : v. Wicked.

EVINCE : दर्शयति (c. of दृश्) : v. To show, manifest.

EVISCERATE : अन्त्राणि अपनयति (नी, c. 1.) or अपोहति (ऊह्, c. 1.) (with gen.).

EVOKE : (1) आह्वयति (ह्वे, c. 1.) (=to call) ; (2) निष्कर्षति (कृष्, c. 1.) (=to draw out)

EVOLUTION : I. Development : उद्भेदः, e. of affection : अनुरागस्योद्भेदः, Ma. II. A series : परम्परा. III. In arith : मूललाभः (?).

EVOLVE (v.) : I. To disclose : q.v. : विवृणोति (वृ, c. 5.). II. To emit : q.v.

EVULSION : (1) लुञ्चनम्, अव-, उत्- ; (2) पाटनम्, उत्-, वि-.

EWE : (1) मेघी ; (2) मेढी ; (3) उरणी ; (4) पडका. EWER : कम्पण्डलुः : v. Pitcher.

EXACT (adj.) : I. Precise : q.v. : यथार्थः (र्थ, र्थं). II. Accurate, punctual : q.v. : स्ववहितः (ता, तं).

EXACT (v.) : निष्कर्षति (कृष्, c. 1.) : v. To extort take.

EXACTION : I. Extortion : q.v. : निष्कर्षः, -णम्. II. That which is exacted : perh निष्कर्षः, -णम् (after उत्पीडनम्).

EXACTLY : I. Precisely, accurately : q.v. : यथार्थतः. II. Nicely : सूक्ष्मम्, Ph. : these are e. alike : नास्ति कश्चिदनयोर्विशेषः ; e. so : एवमेव : v. Just (adv.).

EXACTNESS : I. Accuracy : q.v. : शुद्धता. II. Nicety : q.v. : सूक्ष्मता. III. Carefulness : q.v. : अवहितता. IV. Regularity : q.v.

EXAGGERATE (v.) : perh. वर्धयति (c. of वृध्) or अधिकं कथयति (कथ्, c. 10.).

EXAGGERATION : (1) अत्युक्तिः or अतिशयोक्तिः (=hyperbole).

EXALT : I. Lit. : उन्नमयति (c. of नम्), e. ed by the echoes : प्रतिस्वनैस्त्रमितः (ता, तं), Ki. : v. To lift. II. Fig., to elevate : (1) उन्नमयति, सम्- or उन्नति or समुन्नति नयति (नी, c. 1.), प्रापयति (c. of आप्) etc., e.s some : कांश्चिन्नयत्युन्नतिम्, Mr. ; (2) उच्छ्लाययति, सम्-, (c. of श्लि), e. ing (his) prowess by arms : अस्त्रैर्वीर्यमुच्छ्लाययिष्यन्, Vi. III. To elate : उल्लासयति (c. of लस्), e.s Daśaratha : दशरथमुल्लासयति, An.

EXALTATION : I. The act : उन्नमनम्. II. The state : (1) उन्नतिः, सम्-, (2) उच्छ्लायः, सम्-.

EXALTED : (1) उन्नतः (ता, तं), सम्-, bending the e. : उन्नतान्नमयन्, K. (2) उच्छिन्नः (ता, तं), सम्-, in a very e. minister : अत्युच्छिन्ने मन्त्रिणि, Mu. ; (3) उच्चैः (=high), a more e. place : उच्चैस्तरं पदम्, Ku.

EXALTED, TO BE : उन्नमति (नम् c. 1.), as if the sky was e. : द्यौस्त्रनामेव, K.